विधान परिषद के तृतीय सत्र, 2024 के प्रथम शुक्रवार के लिए निर्धारित श्री आशुतोष सिन्हा, मा0 सदस्य, विधान परिषद द्वारा पूछे गए अतारांकित प्रश्न संख्या-2 का उत्तर।

प्रश्न	उत्तर
2-(क) क्या जल शक्ति मंत्री बतायेंगे कि दिनांक 01 जनवरी, 2024 से दिनांक 29 अगस्त, 2024 के मध्य वाराणसी, मिर्जापुर व आजमगढ़ मण्डलों में सिंचाई विभाग की कौन-कौन सी योजनाओं से जनता को क्या-क्या लाभ प्राप्त हुए है ?	प्रश्नगत अवधि में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग द्वारा वाराणसी मण्डल के जनपद चन्दौली, गाजीपुर, वाराणसी एवं मीरजापुर मण्डल के भदोही में रबी 1431 फसली में कुल 312444.00 हेक्टेयर सींच हुई, जिससे 544612 कृषक लाभान्वित हुए। इसी प्रकार खरीफ 1432 फसली में कुल 214643.00 हेक्टेयर सींच हुई, जिससे 580490 कृषक लाभान्वित हुए। मीरजापुर मण्डल के अन्तर्गत जनपद मीरजापुर एवं सोनभद्र में रबी 1431 फसली में कुल 163015.00 हेक्टेयर सींच हुई, जिससे 266762 कृषक लाभान्वित हुए तथा खरीफ 1432 फसली में कुल 121430.00 हेक्टेयर सींच हुई, जिससे 312485 कृषक लाभान्वित हुए। आजमगढ़ मण्डल के अन्तर्गत रबी 1431 फसली में 100834 हेक्टेयर तथा खरीफ 1432 फसली में 48037 हेक्टेयर सिंचाई की गई, जिससे 104710 कृषक लाभान्वित हुए। वाराणसी मण्डल में नहरों की 11 अदद परियोजनाओं, आजमगढ़ मण्डल में नहरों की 2 अदद परियोजनाओं एवं मीरजापुर मण्डल के अन्तर्गत 18 अदद् परियोजनाओं द्वारा नहरों की क्षमता पुनर्स्थापना एवं पुल पुलियों इत्यादि का कार्य कराकर स्थानीय काश्तकारों एवं जनमानस को आवागमन एवं सिंचाई की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई गयी। इसी प्रकार वाराणसी मण्डल में कुल 12 अदद कटाव निरोधक परियोजनाओं एवं आजमगढ़ मण्डल में कुल 16 अदद कटाव निरोधक परियोजनाओं से तटबंध, ग्राम, आबादी एवं कृषि योग्य भूमि को बाढ़ एवं कटाव से सुरक्षा प्रदान की गयी। उक्त अवधि में बाणसागर जलाशय (मध्य प्रदेश) से 11213.69 MCFT (मिलियन क्यूबिक फीट) पानी प्राप्त कर अदवा डैम, मेजा डैम, लोअर खजुरी डैम, मेजा-कोटा पोषक नहर में पानी दिया गया, जिससे मिर्जापुर एवं प्रयागराज के किसानों को सिंचाई सुविधा प्राप्त हुई।
(ख) क्या उक्त का सम्पूर्ण विवरण सदन की मेज पर रखेंगे ?	जी हाँ।
(ग) यदि नहीं, तो क्यों ?	प्रश्न नहीं उठता।

स्वतंत्र देव सिंह
मंत्री,
जल शक्ति विभाग,
उत्तर प्रदेश।

संलग्नक

वाराणसी, मिर्जापुर एवं आजमगढ़ मण्डल के अन्तर्गत जनपद वाराणसी, चन्दौली, गाजीपुर, जौनपुर, भदोही, सोनभद्र, मीरजापुर, आजमगढ, बलिया एवं मऊ के अन्तर्गत कुल 32 अदद परियोजनाओं के अन्तर्गत नहरों एवं पुल–पुलियों के पुनर्स्थापना का कार्य कराकर स्थानीय काश्तकारों/जनता को आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराई गयी है एवं नहरों के कच्चे पक्के कार्यों को कराये जाने से नहरों के टेल भाग तक पर्याप्त मात्रा मे सिंचाई उपलब्ध कराकर किसानों को लाभान्वित कराया जा रहा है। इसी प्रकार उक्त जनपदों में 28 अदद बाढ़ की परियोजनाओं को कियान्वित कर संवेदनशील ग्रामों की सुरक्षा की गयी तथा कृषि योग्य भूमि को कटान से बचाया गया। परियोजनाओं की सूची निम्नवत् है:–

1. जनपद वाराणसी, तहसील सदर में गंगा नदी के बायें किनारें पर स्थित ग्राम ढकवॉ की सुरक्षा हेतु 350 मी0 की लम्बाई में जियो टेक्सटाइल ट्यूब कटर निर्माण की परियोजना।
2. जनपद चन्दौली में भूपौली पम्प नहर प्रणाली के अन्तर्गत क्षतिग्रस्त पक्के कार्यो की पुनरोद्धार की परियोजना।
3. जनपद चन्दौली में धानापुर राजवाहा एवं इससे निकलने वाली माइनरों के पक्के कार्यो की पुनरोद्धार की परियोजना।
4. जनपद मीरजापुर एवं चन्दौली में जोगवा बुधवार राजवाहा के किमी0 0.000 से किमी0 15.400 तक नहर के आन्तरिक एवं वाह्य भागों में मिट्टी एवं पक्के कार्यो की पुनर्स्थापना तथा नहरी भूमि के सीमांकन की परियोजना।
5. नौगढ़ बॉध के पुनरोद्धार की परियोजना।
6. सिंचाई कालोनी चकिया चन्दौली स्थित कार्यालयों एवं आवासों के जीर्णोद्धार की परियोजना।
7. जनपद चन्दौली में स्थित चन्द्रप्रभा बॉध के पुनरोद्धार की परियोजना।
8. सजोई माइनर के कि0मी0 1.590 से कि0मी0 1.803 के मध्य गैप में नहर के निर्माण एवं पुनर्स्थापना कार्य की परियोजना।
9. जनपद चन्दौली के चकिया ब्लाक के अन्तर्गत भोका बंधी के पुनरोद्धार की परियोजना।
10. जनपद भदोही में गरौरा रजवाहा के कि0मी0 0.000 से कि0मी0 14.100 तक नहर के आन्तरिक एवं वाह्य भागों और पक्के कार्यो की पुर्नस्थापना तथा नहरी भूमि की सीमांकन कार्य की परियोजना।
11. जनपद जौनपुर के शाहगंज शाखा के किमी0 4.700 तथा किमी0 9.580 पर स्थित फुटब्रिज के स्थान पर वी0आर0बी0 के निर्माण कार्य की परियोजना।
12. जनपद गाजीपुर में दिलदार नगर राजवाहा के किमी0 0.000 से किमी0 24.000 तक नहर के आन्तरिक एवं बाह्य भागों व पक्के कार्यों की पुनर्स्थापना तथा नहरी भूमि के सीमांकन की परियोजना।
13. जनपद गाजीपुर में देवैथा राजवाहा के कि0मी0 0.000 से 14.6000 तक नहर के आन्तरिक एवं बाह्य भागों और पक्के कार्यों की पुनर्स्थापना तथा नहरी भूमि के सीमांकन की परियोजना।
14. जनपद गाजीपुर में चौधरी चरण सिंह जमानियॉ पम्प नहर प्रणाली के अन्तर्गत नौली राजवाहा एवं इससे निकलने वाली माइनरों पर प्रोटेक्शन वाल, पुलियॉ निर्माण एवं बैंकों से सुदृढ़ीकरण इत्यादि की परियोजना।
15. जनपद गाजीपुर मे चौधरी चरण सिंह जमानियॉ पम्प नहर प्रणाली के अन्तर्गत जमानियॉ मुख्य नहर के किमी0 10.300 से किमी0 37.240 के मध्य कुछ स्थान पर बैंकों के सुदृढ़ीकरण, क्षतिग्रस्त, सी0सी0 लाइनिंग एवं मुख्य नहर से निकलने वाली माइनरों की क्षतिग्रस्त पक्की संरचनाओं के पुनरोद्धार कार्य की परियोजना।
16. जनपद गाजीपुर में गोमती नदी के बाएं तट पर स्थित ग्राम समूह तेतारपुर की कटान से सुरक्षा हेतु कटाव निरोधक कार्य की परियोजना।
17. जनपद गाजीपुर में स्थित उपखण्डीय कार्यालय एवं जिलेदारी कार्यालय के पुनरोद्धार कार्य की परियोजना।
18. जनपद गाजीपुर तहसील जमानियॉ में कर्मनाशा नदी के बायें तट पर स्थित ग्राम गायघाट की सुरक्षा हेतु कटान निरोधक कार्य की परियोजना।
19. जनपद गाजीपुर के तहसील सेवराई में कर्मनाशा नदी के बायें किनारे पर स्थित ग्राम समूह राजमल बॉध की सुरक्षा हेतु कटाव निरोधक कार्य की परियोजना।
20. जनपद गाजीपुर तहसील जमानियॉ में कर्मनाशा नदी के बायें किनारे पर स्थित ग्राम समूह केशरूआ की सुरक्षा हेतु कटाव निरोधक कार्य की परियोजना।
21. जनपद गाजीपुर में गंगा नदी के बांये तट पर स्थित ग्राम समूह शेरपुर–सेमरा के मजरा बीसवा की कटाव निरोधक कार्य की परियोजना।
22. जनपद गाजीपुर में गंगा नदी के बायें तट पर स्थित ग्राम समूह पलिया बुजुर्ग की कटान से सुरक्षा हेतु कटाव निरोधक कार्य की परियोजना।
23. जनपद गाजीपुर में टोंस नदी के दायें किनारे पर स्थित ग्राम समूह रामगढ़ की टोंस नदी की कटान से सुरक्षा हेतु कटाव निरोधक कार्य की परियोजना।
24. जनपद गाजीपुर में टोंस नदी के दायें किनारे पर स्थित ग्राम सिधागर की कटान से सुरक्षा हेतु कटाव निरोधक कार्यों की परियोजना।

25. जनपद गाजीपुर में टोंस नदी के दायें किनारे पर स्थित नगर पंचायत बहादुरगंज की टोंस नदी के कटान से सुरक्षा हेतु पूर्व में निर्मित कटाव निरोधक कार्य के पुनरोद्धार की परियोजना।
26. जनपद गाजीपुर में गंगा नदी के बायें तट पर स्थित ग्राम समूह शेरपुर–सेमरा के मजरा छानबे में स्लोप प्रोटेक्शन के कार्यों की परियोजना।
27. जनपद गाजीपुर में गंगा नदी के बायें तट पर स्थित ग्राम समूह शेरपुर–सेमरा के मजरा माघी के डाउनस्ट्रीम में कटाव निरोधक कार्यों की परियोजना।
28. जनपद गाजीपुर में मुहम्मदाबाद तहसील के अन्तर्गत गंगा नदी के बायें किनारे पर स्थित ग्राम समूह कठउत की सुरक्षा हेतु कटाव निरोधक कार्यों की परियोजना।
29. जनपद मिर्जापुर में स्थित बैकुंण्ठपुर माइनर कें कि0मी0 4.500 से कि0मी0 5.800 के मध्य वर्टिकल ब्रिक लाइनिंग कार्य की परियोजना।
30. जनपद सोनभद्र में बन्धी खण्ड द्वितीय, राबर्ट्सगंज के कार्यक्षेत्र में पड़ने वाले बलुई बन्धी एवं इससे निकलने वाली नहरों के पुनरोद्धार की परियोजना।
31. जनपद सोनभद्र में बन्धी प्रखण्ड द्वितीय, राबर्ट्सगंज के कार्यक्षेत्र में पड़ने वाले कुरूहुल राजवाहा के किमी0 0.000 से किमी0 9.300 (शीर्ष से टेल तक) नहर के आन्तरिक एवं बाह्य भागों की पुनर्स्थापना (डौला एवं सर्विस रोड़ आदि का सम्पूर्ण कार्य) नहर के समस्त पक्के कार्यों की पुनर्स्थापना तथा नहरी भूमि की सीमा के दोनों ओर बाउन्ड्री पीलर लगाने का कार्य की परियोजना।
32. जनपद सोनभद्र में सिंचाई निर्माण खण्ड, राबर्ट्सगंज के अन्तर्गत कार्यालय एवं आवासीय परिसर के पुनरोद्धार की परियोजना।
33. धोबा पम्प नहर के सेवा मार्ग किमी0 0.000 से 5.000 तक पक्की करने की परियोजना।
34. जनपद सोनभद्र के घोरावल ब्लाक में स्थित विसुन्दरी निरीक्षण भवन की बाउन्ड्रीवाल के निर्माण की परियोजना।
35. घाघर मुख्य नहर के किमी0 16.000 से किमी0 32.400 तक निकलने वाली माइनरों के पक्के कार्यों के पुनरोद्धार की परियोजना।
36. गोपालपुर राजवाहा के किमी0 0.000 से किमी0 12.000 तक नहर एवं समस्त पक्के कार्यों की पुनर्स्थापना तथा नहरी भूमि के सीमांकन की परियोजना।
37. मड़िहान ब्रॉन्च नहर के किमी0 0.000 से किमी0 15.000 के मध्य से निकलने वाली माइनरों एवं राजवाहों के पक्के कार्यों के पुनरोद्धार की परियोजना।
38. उसका राजवाहा के पुनर्स्थापना एवं नहरी भूमि के सीमांकन के कार्य की परियोजना।
39. ड्रीप फेज–2 के अन्तर्गत अदवॉ बॉध के पुनरोद्धार एवं सुधार की परियोजना।
40. बेलहर राजवाहा के किमी0 0.000 से 14.000 तक नहर एवं समस्त पक्के कार्यों की पुनर्स्थापना तथा नहरी भूमि के सीमांकन की परियोजना।
41. चौकिया शाखा नहर, बेलहर राजवाहा प्रणाली, विक्सी माइनर तथा शेरवॉ माइनर के कच्चे एवं पक्के कार्यों की परियोजना।
42. जनपद आजमगढ़ में ग्राम सभा हाजीपुर में सरयू नदी के दायें तट पर बाढ़ सुरक्षात्मक कार्य की परियोजना।
43. जनपद आजमगढ़ में सरयू नदी के दायें तट पर स्थित महुला–गढ़वल तटबंध के कि0मी0 30.850 पर निर्मित स्पर नं0–1 के पुनर्स्थापना के कार्य की परियोजना का कार्य पूर्ण गुणवत्तापूवर्क कराया गया, जिससे जनपद आजमगढ़ में सरयू नदी से जनमानस, आबादी एवं कृषि भूमि इत्यादि को बाढ़ से सुरक्षा प्रदान की गयी।
44. आजमगढ़ मण्डल के अन्तर्गत जनपद आजमगढ़ में नहरों के क्षतिग्रस्त गेटों की पुनर्स्थापना की परियोजना।
45. आजमगढ़ जनपद में वी0आर0बी0 निर्माण की परियोजना।
46. आजमगढ़ राजवाहा एवं आजमगढ़ शाखा के बायें बैंक पर सड़क निर्माण की परियोजना।
47. जनपद मऊ में सरयू नदी के दायें तट पर स्थित सूरजपुर बांध के कि0मी0 0.00 से कि0मी0 12.800 तक पुनर्स्थापना का कार्य कराया गया है। परियोजना का कार्य कराकर बांध को मजबूत एवं ओवर–टापिंग की समस्या का समाधान किया गया, जिससे आबादी एवं कृषि भूमि आदि को बाढ़ से सुरक्षित किया गया।
48. जनपद मऊ में सरयू नदी के दायें तट पर स्थित कि0मी0 0.960 से खाकी बाबा मंदिर कि0मी0 1.470 तक (मुक्तिधाम, श्मशान घाट) की सुरक्षा हेतु कटाव निरोधक कार्य की पुनर्स्थापना का कार्य कराया गया है, जिससे दोहरीघाट में स्थित श्मशान घाट एवं दोहरीघाट कस्बा की आबादी एवं कृषि भूमि इत्यादि की बाढ़ से सुरक्षा प्रदान की गयी।
49. जनपद बलिया में गंगा नदी के बायें तट पर स्थित इन्दरपुर–थम्महनपुरा बन्ध के कि0मी0 7.4000 से 7.700 के मध्य बाढ़ सुरक्षार्थ कार्य की परियोजना।
50. सरयू नदी के दायें तट पर निर्मित तुर्तीपार–श्रीनगर तटबंध के कि0मी0 62.375 पर एक अदद स्पर निर्माण की परियोजना।
51. सरयू नदी के दायें तट पर निर्मित तुर्तीपार–श्रीनगर तटबंध के कि0मी0 62.850 से कि0मी0 63.000 के मध्य लॉचिंग एप्रन एवं स्लोप पिचिंग के कार्य की परियाजना।

52. सरयू नदी के दायें तट पर निर्मित तुर्तीपार–श्रीनगर तटबंध के कि0मी0 62.850 से कि0मी0 63.000 के मध्य लॉचिंग एप्रन एवं स्लोप पिचिंग के कार्य की परियाजना।
53. सरयू नदी के दायें तट पर निर्मित तुर्तीपार–श्रीनगर तटबंध के कि0मी0 57.000 से कि0मी0 57.500 के मध्य स्थित ग्राम–रामपुर नम्बरी, रेंगहा एवं चित्तविसाव कला के सुरक्षा कार्य की परियोजना।
54. सरयू नदी के दायें तट पर स्थित रामपुर बिहरा रिंग बंध के कि0मी0 0.950 से कि0मी0 1.550 के मध्य सुरक्षात्मक कार्य की परियोजना।
55. सरयू नदी के दायें तट पर स्थित हाहा नाला तटबंध के कि0मी0 1.200 एवं कि0मी0 1.800 पर निर्मित स्परों के पुनरोद्वार के कार्य की परियोजना।
56. सरयू नदी के दायें तट पर स्थित डूहा कथौड़ा विस्तार बंध के कि0मी0 0.080 पर निर्मित स्पर के पुनरोद्वार के कार्य की परियोजना।
57. गंगा नदी के बायें किनारे पर स्थित बलिया–बैरिया तटबंध (एन0एच0–31) की सुरक्षा हेतु कि0मी0 27.090 से कि0मी0 27.160 एवं कि0मी0 27.230 से 27.470 के मध्य रिवेटमेन्ट मरम्मत के कार्य की परियोजना।
58. गंगा नदी के बायें किनारे पर स्थित ग्राम उदई छपरा के सुरक्षार्थ बाढ़ से सुरक्षात्मक कार्य की परियोजना।
59. गंगा नदी के बायें किनारे पर निर्मित बैरिया संसार टोला तटबंध के कि0मी0 6.600 से कि0मी0 7.500 के मध्य स्थित ग्राम गड़ेरिया एवं सेमरिया के सुरक्षार्थ कार्य की परियोजना।
60. गंगा नदी के बायें तट पर स्थित इन्दरपुर–थम्महनपुरा बन्ध के कि0मी0 6.700 से 6.900 के मध्य बाढ़ सुरक्षार्थ कार्य की परियोजना।
61. राजस्व मण्डल वाराणसी के अन्तर्गत रबी 1431 फसली में 2502 राजकीय नलकूप संचालित थे जिसके अन्तर्गत 129919 हेक्टेयर सिंचाई की गई तथा खरीफ 1432 फसली में 2740 राजकीय नलकूप संचालित थे जिसके अन्तर्गत 45937 हेक्टेयर सिंचाई की गई। तथा 46 नवीन राजकीय नलकूपों का निर्माण एवं 21 असफल नलकूपों का पुनः निर्माण कराया गया जिससे 4400 हेक्टेयर सिंचन क्षमता सृजित/पुर्नस्थापित हुई व 1780 कृषक परिवार लाभान्वित हुए।
62. राजस्व मण्डल वाराणसी के अन्तर्गत रबी 1431 फसली में 77 लघु डाल नहरे संचालित थे जिसके अन्तर्गत 38141 हेक्टेयर सिंचाई की गई तथा खरीफ 1432 फसली में 78 लघु डाल नहरे संचालित थे जिसके अन्तर्गत 24551 हेक्टेयर सिंचाई की गई। तथा 14 लघु डाल नहरों के आधुनिकीकरण का कार्य कराया गया जिससे 1570 हेक्टेयर सिंचन क्षमता की पुनर्स्थापना हुई एवं 5575 कृषक परिवार लाभान्वित हुए।
63. राजस्व मण्डल मीरजापुर के अन्तर्गत रबी 1431 फसली में 1009 राजकीय नलकूप संचालित थे जिसके अन्तर्गत 60388 हेक्टेयर सिंचाई की गई तथा खरीफ 1432 फसली में 1029 राजकीय नलकूप संचालित थे जिसके अन्तर्गत 18921 हेक्टेयर सिंचाई की गई। तथा 22 नवीन राजकीय नलकूपों का निर्माण एवं 8 असफल नलकूपों का पुनः निर्माण कराया गया जिससे 1900 हेक्टेयर सिंचन क्षमता सृजित/पुर्नस्थापित हुई व 790 कृषक परिवार लाभान्वित हुए।
64. राजस्व मण्डल मीरजापुर में रबी 1431 फसली में 30 लघु डाल नहरें संचालित थे जिसके अन्तर्गत 11218 हेक्टेयर सिंचाई की गई तथा खरीफ 1432 फसली में 30 लघु डाल नहरें संचालित थे जिसके अन्तर्गत 4959 हेक्टेयर सिंचाई की गई। तथा 03 लघु डाल नहरों के आधुनिकीकरण का कार्य कराया गया जिससे 352 हेक्टेयर सिंचन क्षमता की पुनर्स्थापना हुई एवं 745 कृषक परिवार लाभान्वित हुए।
65- राजस्व मण्डल आजमगढ़ के अन्तर्गत रबी 1431 फसली में 1812 राजकीय नलकूप संचालित थे जिसके अन्तर्गत 100834 हेक्टेयर सिंचाई की गई तथा खरीफ 1432 फसली में 1861 राजकीय नलकूप संचालित थे जिसके अन्तर्गत 48037 हेक्टेयर सिंचाई की गई। तथा 48 नवीन राजकीय नलकूपों का निर्माण एवं 03 असफल नलकूपों का पुनः निर्माण कराया गया जिससे 2700 हेक्टेयर सिंचन क्षमता सृजित/पुर्नस्थापित हुई व 1290 कृषक परिवार लाभान्वित हुए।